महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण अभियान सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रारम्भ

महर्षि शैक्षणिक संस्थान समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी ने शिक्षकों के समूह को सम्बोधित करते हुये बताया कि भारत के 125 से भी अधिक शहरों में ''महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण अभियान'' का प्रारम्भ हो चुका है और अब इसके विस्तार पर कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि ''श्रीरामचरितमानस एवं श्रीमद्भगवदगीता जीवन के अनेक क्षेत्रों का रहस्य, ज्ञान एवं उपदेश धारित किये हुए हैं। इनका पठन–पाठन, अध्ययन–अध्यापन एवं श्रवण जीवन हितकारी है तथा व्यक्तिगत, सामूहिक एवं सामाजिक विश्व शांति स्थापित करने में अत्यंत प्रभावकारी है। अतः महर्षि विश्व शांति ट्रस्ट ने बड़े स्तर पर भारतीय समाज की सामूहिक चेतना में जाग्रति लाने एवं शांति स्थापित करने हेतु जनमानस में इन दोनों ग्रंथों के अध्ययन–अध्यापन तथा नियमित सामूहिक पाठ का प्रबंध करने की योजना बनाई है।

''इस कार्यक्रम का लक्ष्य वेदभूमि भारत के प्रत्येक भारतीय नागरिक के आध्यात्मिक उत्थान एवं समृद्धि और आनंद के साथ विकास के लिए प्रत्येक जिले, ब्लॉक तथा ग्राम स्तर पर महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण अभियान को संचालित करना है।

''भारतीय आध्यात्मिक ज्ञान के आधार पर भारत को जगत गुरु के रूप में सदा स्थापित रहने के लिए देश के विभिन्न स्थानों में रहने वाले लोगों के बीच श्रीरामचरितमानस व श्रीमदभगवद्गीता सहित प्राचीन भारतीय आध्यात्मिक साहित्य में निहित ज्ञान के भंडारण और प्रसार के लिए कार्य करना है।

''जनमानस को उनके इष्ट देवता के साथ ही साथ वैदिक गुरु परंपरा का पूर्ण आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आध्यात्मिक ग्रंथों एवं तकनीकों जैसे ज्योतिष, यज्ञ, स्थापत्य वेद, गंधर्व वेद, आयुर्वेद, योग आदि में बतलायी गई पद्धतियों का प्रयोग करने हेतु जागरूक करना है।

''ज्योतिष, स्थापत्य वेद, यज्ञ, आयुर्वेद, गंधर्व वेद आदि में परामर्श प्राप्त करने हेतु सहायता करना, ग्रहशांति आदि हेतु यज्ञ करवाना, स्थापत्य वेद के अनुसार आवास गृह की संरचना तथा प्राक्कलन तैयार कराना इत्यादि तथा इन कार्यो के लिए आवश्यक सामग्री की व्यवस्था करना है। विभिन्न ऑनलाइन तथा ऑफलाइन साधनों के माध्यम से महर्षि आध्यात्मिक ज्ञान तक पहुंच प्रदान करना है।''